

26/10
20

पञ्जाबी साहित्य। पकील वाणिज्य अनुभव।
न्यायालय के सुको आगे पर ना तो वाणिज्य
ना ही पकील वाणिज्य उपर करते। अतः वाड-
वाणिज्य कदम पेंची कदम हाजिरी में स्वादिभ्य
किपा आग है। पञ्जाबी निपकानुहा दाखिल
पदर ही नमक ले कर है।

